पाठ संख्या	शीर्षक	मॉड्यूल संख्या
6	प्रभाववाद	2

संक्षिप्त भूमिका

- **प्रभाववाद** कला का एक आंदोलन था जिसने प्रतिदिन के जीवन की सादगी और सरलता से प्रेरणा ली। इन कलाकारों ने वस्तुओं पर प्रकाश के प्रभाव के संबंध को दिखाया। कुछ चित्रकारों ने खुले में चित्रण कर रंगों और प्रकाश के प्रभाव को पकड़ने का प्रयास किया। **उत्तर प्रभाववादी** चित्रकारों ने उनका अनुसरण करते हुए "आंतरिक भावों के प्रकटीकरण" (Expression) को अधिक महत्व दिया।

6.1

वाटर लिलिज

विवरण

शीर्षक : वाटर लिलिज
कलाकार : क्लॉड मॉने (Claude Monet)
माध्यम : तैलीय रंग
शैली : प्रभाववाद
काल : 1899
संकलन : नेशनल गैलरी, लंदन

चित्र की विशेषतायें

- **मॉने** के एक चित्र के नाम पर इसे **प्रभाववाद** का नाम दिया गया। प्रस्तुत चित्र में तालाब के उस पार जापानी पुल का चित्रण किया गया है।
- आसमान को चमकीले रंगों में प्रभावी रूप से असाधारण गहराई के साथ प्रतिबिंबित किया गया है।
- खिलते हुए विभिन्न आकार के लिलि फूलों से चित्र के सौंदर्य में वृद्धि हुई है।

चित्रकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- **मॉने प्रभाववादी** के पुरोगामी कलाकार थे।
- वह प्रभाववादी समूह के अग्रगामी मार्गदर्शक थे।
- **मॉने** एक समर्पित कलाकार थे। उन्हें आकर्षक एवं मुग्धकारी फूलों में प्राकृतिक दृश्यों के चित्रण के लिए बड़ी श्रद्धा से याद किया जाता है।

स्व-मूल्यांकन

6.1.1 उस चित्रकार का नाम बताइए जिसने **वाटर लिलि** चित्र बनाया है।

6.1.2 **मॉने** ने अपने चित्रों में किस शैली का प्रयोग किया है।

उत्तर

6.1.1 क्लॉड मॉने

6.1.2 प्रभाववाद

6.2

डांस क्लास

विवरण

शीर्षक : डांस क्लास

कलाकार : ऐडगर डेगा

माध्यम : कैन्वास पर तैलीय रंग

शैली : प्रभाववाद

काल : 1873-1876

संकलन : म्युजियम ऑफ आर्ट, टोलेडो, ओहियो (यू.एस.ए)

चित्र की विशेषतायें

- इसमें नृत्यांगनाओं की लयात्मक गति साफ दिखाई देती है।
- इस चित्र में जिंदगी का पूरा दृश्य जैसे प्रस्तुत किया गया है।
- अप्राकृतिक प्रकाश का प्रयोग देखने योग्य है।

कलाकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- पेरिस में जन्मे फ्रांसीसी कलाकार **ऐडगर डेगा** ने **नृत्य कक्षा** नामक चित्र को 1834 में बनाया।
- उनकी मुख्य रूचि मानवीय उपस्थिति में थी जिनमें बैले (नृत्य नाटकों) की नृत्यांगनाएं झालरदार घाघरे (स्कर्ट) में नृत्य करने के लिये तैयारी करती दिखाई देती हैं जिससे चित्र में गति प्रदर्शित होती है।
- उनके अत्यंत प्रिय माध्यम तैलीय पेस्टल रंग थे।
- उन्होंने बहुत-सी मूर्तियां भी बनाईं।

स्व-मूल्यांकन

6.2.1 **डेगा** अन्य प्रभाववादी कलाकारों से कैसे भिन्न है?

6.2.2 उन्होंने रंगों के किस माध्यम को वरीयता दी?

उत्तर

6.2.1 प्रकृति चित्रण के विपरीत।

6.2.2 तैलीय पेस्टल

6.3
स्टारी नाइट

विवरण

शैली : उत्तर प्रभाववाद
कलाकार : विनसैट वैन गॉग
माध्यम : तैलीय रंग
काल : 1889
संकलन : नैशनल गैलरी, लंदन

मूर्ति की विशेषतायें

- **विनसैट वेन गॉग** की यह एक उत्कृष्ट कृति है।
- इस चित्र में रगों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।
- चित्र में सादा आकाश सितारों से भरा दिखाया गया है।
- उनके चित्र वास्तविक न होते हुए अत्यंत प्रतीकात्मक है।

कलाकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- हालैन्ड में पैदा हुए उनका जीवन गरीबी और मुसीबतों से भरा हुआ था। उस के बावजूद भी वह एक समर्पित कलाकार थे।
- निराशा और हताशा के कारण उन्होंने आत्महत्या की।

स्व-मूल्यांकन

6.3.1 अपने चित्रों में **वैन गॉग** ने किस शैली का प्रयोग किया।

6.3.2 उन्होंने किस माध्यम से अपने चित्र बनाए।

6.3.3 **स्टारी नाईट** चित्र से क्या आभास होता है।

उत्तर

6.3.1 उत्तर प्रभाववाद

6.3.2 तैलीय रंग

6.3.3 प्रकृति चित्रण–आकाश गंगा के तारे भंवर में घूमते प्रतीत होते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मॉने के एक चित्र के ऊपर **प्रभाववाद** का नाम दिया गया।

ऐडगर डेगा ने बैलेर नृत्यों के चित्रों की एक श्रृखंला बनाई।